

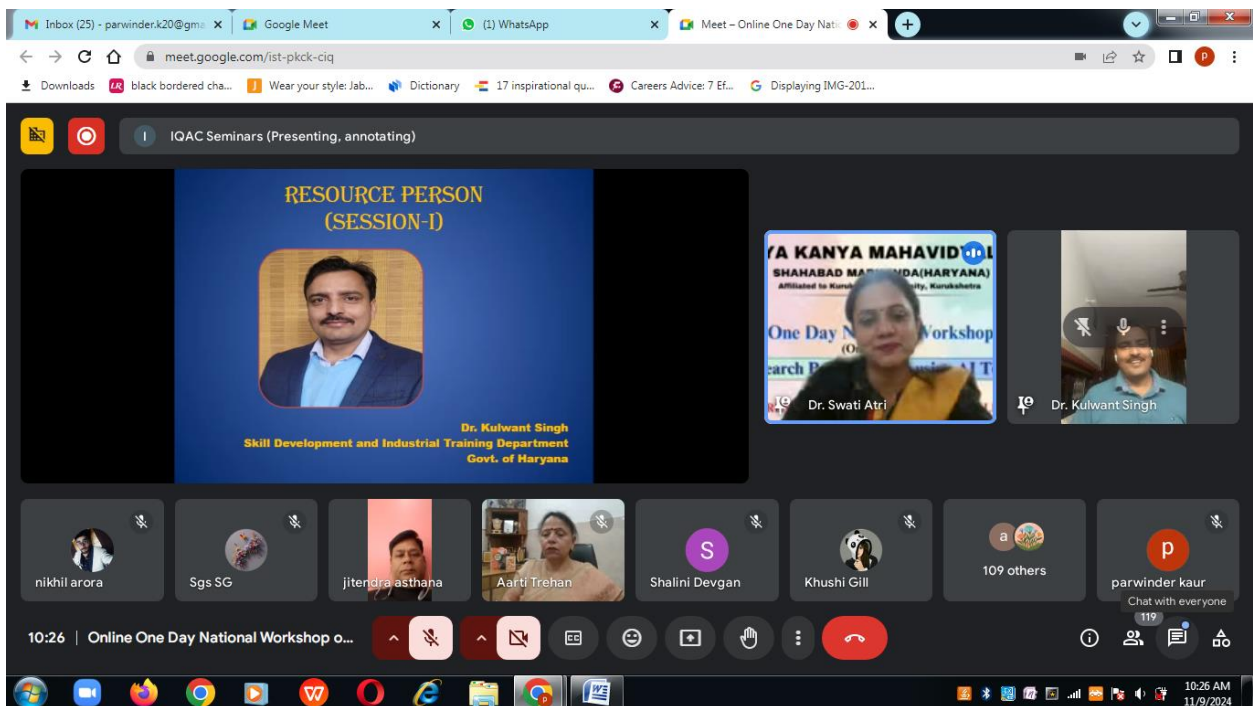
Arya Kanya Mahavidyalaya, Shahabad Markanda, successfully organized an insightful workshop On **Research Paper Writing using AI Tools**

With **165 participants** from across the country, the event focused on enhancing research skills using advanced AI tools. **Dr. Kulwant Singh**, from the **Skill Development and Industrial Training Centre, Govt. of Haryana**, led the session, sharing valuable insights and practical techniques to boost research quality and efficiency.

Thank you to everyone who joined and made this workshop a remarkable success! Here's to more innovation and excellence in research!

#ResearchWorkshop #AIinResearch #SkillDevelopment #AryaKanyaMahavidyalaya #ResearchAndDevelopment #institutionsinnovationcouncil #Ministryofeducation.

Screenshot:



Inbox (25) - parwinder.k20@gma... Google Meet WhatsApp Meet - Online One Day Nat...

meet.google.com/fst-pkck-ciq

Downloads black bordered cha... Wear your style: Jab... Dictionary 17 inspirational qu... Careers Advice: 7 Ef... Displaying IMG-201...

kulwant singh (Presenting, annotating)

ChatGPT 4o mini

Write a short summary on utilizing solar energy in agriculture with citations and references.

Utilizing Solar Energy in Agriculture: A Summary

Solar energy has emerged as a transformative tool in modern agriculture, offering sustainable solutions for energy needs, irrigation, and crop management. By harnessing solar power, farmers can reduce reliance on traditional energy sources, lower costs, and improve environmental sustainability.

- Solar-Powered Irrigation:** Solar energy can drive irrigation systems, providing water to crops in regions where electricity or fuel is scarce. Photovoltaic (PV) systems can power pumps that draw water from wells, rivers, or reservoirs, enhancing water efficiency while reducing energy costs (Zhang et al., 2023). Solar irrigation also promotes resilience to climate change, as it offers a renewable and reliable water source during droughts.
- Greenhouse and Farms Heating:** Solar energy is also used in heating greenhouses and providing climate control for crops. Solar thermal systems can maintain optimal temperatures inside greenhouses, extending growing seasons and increasing yield. This is particularly beneficial in temperate climates (Tiwari et al., 2018).

By messaging ChatGPT, you agree to our [Terms](#) and have read our [Privacy Policy](#).
Don't share sensitive info. Chats may be reviewed and used to train our models. Learn more

Message ChatGPT

Dr. Kulwant Singh

parwinder kaur

14:07 | Online One Day National Workshop o...

2:07 PM 11/9/2024

शोध के क्षेत्र में क्रांति ला रहा ए.आई. टूल्स का उपयोग : डा. कुलवंत सिंह

आर्य कन्या महाविद्यालय में ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

शाहाबाद मारकंडा, 9 नवम्बर (राजन सपड़ा) : आर्य कन्या महाविद्यालय में रिसर्च एंड डिवैल्पमेंट सैल द्वारा ए.आई. टूल्स के उपयोग से शोध लेखन विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा सरकार के कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग से डा. कुलवंत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महाविद्यालय की प्राचार्या डा. आरती त्रेहन ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए बताया कि वर्तमान में रिसर्च पेपर लेखन के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स ने एक नए युग की शुरुआत की है।

छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए रिसर्च पेपर तैयार करना अब और अधिक सरल और समय की बचत करने वाला बन गया है।

ए.आई. टूल्स के उपयोग से शोध कार्य की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में मंच संचालन सैल की संयोजिका डा. स्वाती अत्री द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता डा. कुलवंत सिंह ने बताया कि ए.आई. टूल्स जैसे कि चैट जी.पी.टी., ग्रामरली

टर्निटीन आदि ने रिसर्च लेखन के विभिन्न पहलुओं को सुगम बनाया है।

इन टूल्स के माध्यम से शोधकर्ता विषय वस्तु का चयन, डेटा का विश्लेषण, व्याकरण और लेखन शैली को सुधारने जैसे कार्य अधिक स्टीकता और गति के साथ कर सकते हैं। ए.आई. टूल्स का प्रयोग करने से शोधकर्ताओं का समय बचता है। भाषा और व्याकरण में सुधार होता है। प्लेजरिज्म चेक से लेखन की मौलिकता बनी रहती है और शोधकर्ताओं को जटिल डाटा सेट को समझने और उसके आधार पर निष्कर्ष निकालने में सहायता मिलती है।

रिसर्च पेपर लेखन में ए.आई. टूल्स

का उपयोग शिक्षा व शोध के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। डा. कुलवंत सिंह ने बताया कि ए.आई. टूल्स का उचित और विवेकपूर्ण उपयोग ही लंबे समय तक लाभकारी हो सकता है। इस तकनीकी विकास के साथ, शोधकर्ताओं को अपने लेखन में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है, ताकि उनके शोध कार्य की गुणवत्ता और प्रभाव बरकरार रहे।

कार्यशाला में देश के विभिन्न क्षेत्रों बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उड़ीसा, पूना, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश एवं पश्चिम बंगाल आदि राज्यों से 165 शोधकर्ताओं ने भाग लिया। अन्त में डा. राजिन्द्र कौर ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

समापन सत्र में डा. रोजी ने मंच संचालन करते हुए प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त फीडबैक से आयोजन की सफलता और सुधार के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यशाला आयोजित करने में डा. हेमा सुखीजा, डा. रागिनी मिश्रा, अनुराधा, परविन्द्र कौर, रचिता कंसल, सुरभि, नम्रता शर्मा एवं दीक्षा का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।



शोधकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित करते मुख्य वक्ता।

(राजन सपड़ा)

